Development in India
Hasan Raza

B.A IV Sem II nd Unit IInd Paper

भूमण्डलीकरण

Globalization

1980 - उत्तर - आधुनिक
1991 - वैश्वीकरण

"रॉबर्टसन" ने वैश्वीकरण शब्द दिया।

Anthoni Giddens "The Consequences of Modernity" 1990 ने वैश्वीकरण की विस्तारपूर्वक व्याख्या की और स्पष्ट किया कि आधुनिकता का बहुत बड़ा परिणाम वैश्वीकरण है। इस वैश्वीकरण में समय और स्थान को सामाजिक जीवन में नए प्रकार से परिभाषित किया गया है जिसे समय, स्थान का दूरीकरण कहते हैं। उन्होंने वैश्वीकरण की परिभाषा कुछ इस प्रकार दी -

"विभिन्न लोगों और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों के बीच अन्योन्याश्रित पारस्परिकता ही वैश्वीकरण में, या पारस्परिकता सामाजिक और आर्थिक सम्बन्धों में होती है, इसमें समय और स्थान सिमट जाते हैं।"

Malcolm "Globalization" 1998, ने वैश्वीकरण की अवधारणा को

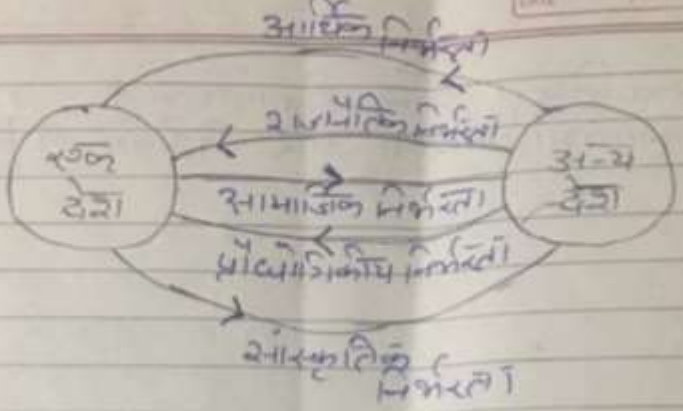

भारत पर वैश्वीकरण का प्रभाव :

1- कृषि उत्पादन में वृद्धि।
2- राष्ट्रीय आय में वृद्धि।
3- उद्योगों का विकास।
4- जीवन गुणवत्ता में सुधार।
5- निर्धनता में कमी।
6- बेरोज़गारी में कमी।
7- शिक्षा का विकास।
8- शहरीकरण।
9- महिला सशक्तिकरण।
10- वर्गों के स्वरूपों में अन्तर।
11- उपभोक्तावादी संस्कृति को बढ़ावा।

वैश्वीकरण के दोष :

① आर्थिक :

1- बेरोज़गारी में वृद्धि।
2- घरेलू उद्योगों को चुनौती।
3- संस्कृति को खतरा।

बड़े खुले ढंग से समझने का प्रयास किया इनके अनुसार,

"वैश्वीकरण में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय अन्तःक्रियाओं का प्रयाप्त समावेश होता है। इस प्रक्रिया में भूगोल और राष्ट्रीय सीमाओं पे जो दबाव और बन्धन होते है वो धूमिल हो जाते है।"

U.N.D.P. (संयुक्त राष्ट्र संघ विकास कार्यक्रम) के अन्तर्गत प्रकाशित मानव संस्थान रिपोर्ट मे कहा गया है कि "आधुनिक युग वैश्वीकरण का युग है, इसका प्रारम्भ 16वीं शताब्दी से हुआ लेकिन आज का वैश्वीकरण अतीत के वैश्वीकरण से भिन्न है।"

इस रिपोर्ट ने वैश्वीकरण की 4 विशेषताओं को परिभाषित किया :

1- नए बाज़ार।
2- नए उपकरण।
3- नए कर्ता।
4- नए नियम।

2- सजातीयता और विजातीयता।
3- सातत्यात्मकता और विशेषात्मकता।